

UP Board Class 12 Hindi General - 302 (HH) - 2025

Time Allowed :3 Hours

Maximum Marks :80

Total Questions :18

सामान्य निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र में कुल 18 प्रश्न हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
2. इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं – खंड अ और खंड ब।
3. खंड अ में उपप्रश्न सहित 45 लघुउत्तर प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
4. खंड ब में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, अंतर्निर्देश विकल्प भी दिए गए हैं।
5. प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।
6. यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

Q1. Choose the correct option to answer the following questions :

(क) निम्नलिखित में से कौन-सी रचना हिंदी गद्य की प्रारम्भिक रचनाओं में गिनी जाती है ?

- (A) गोरखवाणी
- (B) चर्चापद
- (C) अजित व्यक्ति प्रकरण
- (D) सत्यवती कथा

Correct Answer : (C) अजित व्यक्ति प्रकरण

Solution :

Step 1 : प्रारंभिक हिंदी गद्य का अवलोकन.

हिंदी गद्य के विकास में प्रारंभिक काल में धार्मिक, दार्शनिक और तर्कशास्त्रीय विषयों पर रचनाएँ लिखी गईं। ये रचनाएँ हिंदी गद्य की नींव रखती हैं।

Step 2 : 'अजित व्यक्ति प्रकरण' का महत्व.

'अजित व्यक्ति प्रकरण' जैन साहित्य से संबंधित एक महत्वपूर्ण गद्य कृति है। इसे हिंदी गद्य की प्रारंभिक रचनाओं में गिना जाता है क्योंकि इसमें दार्शनिक विचारों और उपदेशों को गद्य रूप में प्रस्तुत किया गया है।

Step 3 : निष्कर्ष.

अन्य विकल्प जैसे 'गोरखवाणी' और 'चर्चापद' पद्य रूप में हैं, जबकि 'सत्यवती कथा' अपेक्षाकृत बाद की रचना है। इसलिए सही उत्तर 'अजित व्यक्ति प्रकरण' है।

Final Answer :

The correct answer is (C) अजित व्यक्ति प्रकरण.

Quick Tip

हिंदी गद्य की प्रारंभिक रचनाएँ मुख्यतः दार्शनिक और धार्मिक विषयों पर आधारित थीं। 'अजित व्यक्ति प्रकरण' इन्हीं में से एक है।

(ख) 'हिंदी प्रदेश' नामक मासिक पत्र किस साहित्यकार द्वारा निकाला जाता था ?

- (A) प्रतापनारायण मिश्र
- (B) बालकृष्ण भट्ट
- (C) भारतेन्दु हरिश्चंद्र
- (D) महावीरप्रसाद द्विवेदी

Correct Answer : (D) महावीरप्रसाद द्विवेदी

Solution :

Step 1 : हिंदी पत्रकारिता का अवलोकन.

हिंदी पत्रकारिता और पत्रिकाओं का विकास 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में हुआ। इस काल में अनेक साहित्यकारों ने पत्र-पत्रिकाएँ प्रकाशित कर हिंदी साहित्य को नया आयाम दिया।

Step 2 : 'हिंदी प्रदेश' पत्र का प्रकाशन.

'हिंदी प्रदेश' नामक मासिक पत्र महावीरप्रसाद द्विवेदी द्वारा निकाला जाता था। महावीरप्रसाद द्विवेदी ने हिंदी गद्य और पत्रकारिता दोनों को समृद्ध किया।

Step 3 : निष्कर्ष.

इस प्रकार, 'हिंदी प्रदेश' मासिक पत्र के प्रकाशन का श्रेय महावीरप्रसाद द्विवेदी को जाता है।

Final Answer :

The correct answer is (D) महावीरप्रसाद द्विवेदी.

Quick Tip

महावीरप्रसाद द्विवेदी हिंदी गद्य और पत्रकारिता में महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अनेक पत्र-पत्रिकाओं का संपादन किया।

(ग) 'कलम का सिपाही' के लेखक हैं –

- (A) प्रेमचन्द
- (B) रामवृक्ष बेनीपुरी
- (C) अमृतराय
- (D) रामविलास शर्मा

Correct Answer : (C) अमृतराय

Solution :

Step 1 : कृति का परिचय.

‘कलम का सिपाही’ प्रसिद्ध लेखक प्रेमचन्द की जीवनी है ।

Step 2 : लेखक का नाम.

इस जीवनी को अमृतराय ने लिखा है । अमृतराय, प्रेमचन्द के पुत्र थे और उन्होंने अपने पिता के जीवन और साहित्यिक योगदान को विस्तार से प्रस्तुत किया ।

Step 3 : निष्कर्ष.

अतः सही उत्तर अमृतराय है ।

Final Answer :

The correct answer is (C) अमृतराय.

Quick Tip

‘कलम का सिपाही’ प्रेमचन्द की जीवनी है, जिसे उनके पुत्र अमृतराय ने लिखा ।

(घ) ‘शेखर : एक जीवनी’ रचना की विधा है –

- (A) कहानी
- (B) उपन्यास
- (C) जीवनी
- (D) आत्मकथा

Correct Answer : (B) उपन्यास

Solution :

Step 1 : कृति का परिचय.

‘शेखर : एक जीवनी’ प्रसिद्ध साहित्यकार अज्ञेय की रचना है ।

Step 2 : विधा का निर्धारण.

यद्यपि नाम से यह जीवनी या आत्मकथा प्रतीत होती है, परन्तु वास्तव में यह एक मनोवैज्ञानिक उपन्यास है । इसमें शेखर नामक पात्र के माध्यम से जीवन, समाज और व्यक्ति की गहन जटिलताओं को अभिव्यक्त किया गया है ।

Step 3 : निष्कर्ष.

इसलिए ‘शेखर : एक जीवनी’ को उपन्यास की श्रेणी में रखा जाता है ।

Final Answer :

The correct answer is (B) उपन्यास.

Quick Tip

अज्ञेय की ‘शेखर : एक जीवनी’ नामक कृति मनोवैज्ञानिक उपन्यास है । नाम से भ्रमित न हों ।

(ङ) निम्नलिखित में से ललित निबन्धकार हैं –

- (A) रामचन्द्र शुक्ल
- (B) सरदार पूर्ण सिंह
- (C) कुबेरनाथ राय
- (D) श्यामसुन्दर दास

Correct Answer : (C) कुबेरनाथ राय

Solution :

Step 1 : ललित निबंध की परिभाषा.

ललित निबंध हिंदी साहित्य की वह विधा है जिसमें व्यक्तिगत अनुभवों, भावनाओं और विचारों को कलात्मक और सरल शैली में व्यक्त किया जाता है ।

Step 2 : लेखक का योगदान.

कुबेरनाथ राय हिंदी के प्रमुख ललित निबंधकार माने जाते हैं । उनके निबंधों में साहित्य, संस्कृति और जीवन-दर्शन का सुंदर समन्वय मिलता है ।

Step 3 : अन्य विकल्पों का स्पष्टीकरण.

रामचन्द्र शुक्ल आलोचक थे, सरदार पूर्ण सिंह प्रेरणात्मक निबंध लिखते थे, और श्यामसुन्दर दास भाषाशास्त्री और आलोचक थे ।

Step 4 : निष्कर्ष.

अतः सही उत्तर है कुबेरनाथ राय ।

Final Answer :

The correct answer is (C) कुबेरनाथ राय.

Quick Tip

कुबेरनाथ राय को हिंदी का प्रमुख ललित निबंधकार माना जाता है ।

Q2. Choose the correct option to answer the following questions :

(क) 'प्रगतिशील लेखक संघ' की स्थापना कब हुई ?

- (A) 1943 ई.
- (B) 1936 ई.
- (C) 1954 ई.
- (D) 1963 ई.

Correct Answer : (B) 1936 ई.

Solution :

Step 1 : पृष्ठभूमि.

हिंदी साहित्य में प्रगतिशील आंदोलन का आरंभ 20वीं शताब्दी के तीसरे दशक में हुआ। इसका उद्देश्य साहित्य को सामाजिक यथार्थ से जोड़ना था।

Step 2 : संगठन की स्थापना.

प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना 1936 ई. में लखनऊ में हुई। इस सम्मेलन में प्रेमचन्द ने अध्यक्षीय भाषण दिया था।

Step 3 : निष्कर्ष.

अतः सही उत्तर 1936 ई. है।

Final Answer :

The correct answer is (B) 1936 ई.

Quick Tip

प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना 1936 ई. में हुई और इसका नारा था – “साहित्य समाज का दर्पण है”।

(ख) महादेवी वर्मा की रचना है –

- (A) धूप के धान
- (B) पल्लव
- (C) सांध्यगीत
- (D) उर्वशी

Correct Answer : (B) पल्लव**Solution :****Step 1 : महादेवी वर्मा का परिचय.**

महादेवी वर्मा छायावाद युग की प्रमुख कवयित्री थीं।

Step 2 : उनकी प्रमुख कृति.

उनकी काव्य कृतियों में 'पल्लव' विशेष रूप से प्रसिद्ध है। यह काव्य संग्रह हिंदी साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

Step 3 : निष्कर्ष.

इस प्रकार, सही उत्तर 'पल्लव' है।

Final Answer :

The correct answer is (B) पल्लव.

Quick Tip

महादेवी वर्मा को 'आधुनिक मीरा' भी कहा जाता है और उनकी रचना 'पल्लव' हिंदी साहित्य में अमर कृति मानी जाती है।

(ग) 'अच्छायाव' के कवि नहीं हैं -

- (A) नन्ददास
- (B) छीतस्वामी
- (C) बिहारीलाल
- (D) सूरदास

Correct Answer : (B) छीतस्वामी

Solution :

Step 1 : अवधारण की समझ.

'अच्छायाव' का संबंध रीतिकाल के कवियों से है। इसमें नन्ददास, बिहारीलाल और सूरदास प्रमुख हैं।

Step 2 : छीतस्वामी की स्थिति.

छीतस्वामी को इस धारा के प्रमुख कवियों में नहीं गिना जाता।

Step 3 : निष्कर्ष.

अतः सही उत्तर है छीतस्वामी।

Final Answer :

The correct answer is (B) छीतस्वामी.

Quick Tip

रीतिकाल में नन्ददास, सूरदास और बिहारीलाल प्रसिद्ध कवि थे, जबकि छीतस्वामी इस धारा से संबंधित नहीं माने जाते।

(घ) 'तर सप्तक' के प्रवर्तक हैं -

- (A) निराला
- (B) दिनकर
- (C) पन्त
- (D) अज्ञेय

Correct Answer : (D) अज्ञेय

Solution :

Step 1 : पृष्ठभूमि.

'तर सप्तक' नई कविता आंदोलन की आधारभूत कृति है।

Step 2 : प्रवर्तक का नाम.

इसका संपादन और प्रवर्तन अज्ञेय द्वारा किया गया था।

Step 3 : निष्कर्ष.

अतः सही उत्तर है अज्ञेय।

Final Answer :

The correct answer is (D) अज्ञेय.

Quick Tip

‘तर सप्तक’ से नई कविता की नींव पड़ी, और इसके संपादक अज्ञेय थे ।

(ड) सूफी काव्यधारा के कवि हैं –

- (A) रसखान
- (B) रहीम
- (C) जायसी
- (D) नानक

Correct Answer : (C) जायसी

Solution :

Step 1 : सूफी काव्यधारा का परिचय.

सूफी काव्यधारा में भक्ति और प्रेम का समन्वय मिलता है ।

Step 2 : जायसी का योगदान.

मलिक मोहम्मद जायसी ‘पद्मावत’ के रचयिता थे और उन्हें सूफी काव्यधारा का प्रमुख कवि माना जाता है ।

Step 3 : निष्कर्ष.

अतः सही उत्तर जायसी है ।

Final Answer :

The correct answer is (C) जायसी.

Quick Tip

मलिक मोहम्मद जायसी की ‘पद्मावत’ सूफी काव्यधारा की सर्वाधिक प्रसिद्ध रचना है ।

Q4. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

गद्यांश : मानभूमि पर निवास करने वाले मनुष्य राष्ट्र का दूसरा अंग हैं । पृथ्वी हो और मनुष्य न हों, तो राष्ट्र की कल्पना असंभव है । पृथ्वी और जन दोनों के सम्मिलन से ही राष्ट्र का स्वरूप संपन्नित होता है । जन के कारण ही पृथ्वी मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है । पृथ्वी माता है और जन सच्चे अर्थों में पृथ्वी का पुत्र है ।

Q3(i). पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

उत्तर : यह गद्यांश "राष्ट्र और मातृभूमि" विषय से संबंधित है । इसका लेखक प्रश्नपत्र में निर्दिष्ट नहीं है, परंतु यह राष्ट्र और मनुष्य के संबंध को स्पष्ट करता है ।

Final Answer :

शीर्षक – राष्ट्र और मातृभूमि, लेखक – अज्ञात (प्रश्नपत्र में नहीं दिया गया)

Quick Tip

जब प्रश्न में लेखक का नाम उपलब्ध न हो तो "अज्ञात" या "प्रश्नपत्र में निर्दिष्ट नहीं" लिखना उचित होता है ।

Q3(ii). राष्ट्र की कल्पना कब असंभव है ?

उत्तर : जब केवल पृथ्वी हो और उस पर मनुष्य न हों, तब राष्ट्र की कल्पना असंभव है । भूमि मात्र से राष्ट्र नहीं बनता, उसमें निवास करने वाले जन ही उसे राष्ट्र का स्वरूप प्रदान करते हैं ।

Final Answer :

राष्ट्र की कल्पना पृथ्वी पर मनुष्य के बिना असंभव है ।

Quick Tip

राष्ट्र की संकल्पना केवल भूमि नहीं बल्कि भूमि + जन = राष्ट्र पर आधारित है ।

Q3(iii). पृथ्वी और जन दोनों मिलकर क्या करते हैं ?

उत्तर : पृथ्वी और जन दोनों मिलकर राष्ट्र का स्वरूप संपन्न करते हैं । भूमि आधार देती है और जन उसे जीवंत राष्ट्र का रूप प्रदान करते हैं ।

Final Answer :

पृथ्वी और जन मिलकर राष्ट्र का स्वरूप बनाते हैं ।

Quick Tip

राष्ट्र की पूर्णता के लिए भूमि और जन दोनों का होना आवश्यक है ।

Q3(iv). पृथ्वी को मातृभूमि की संज्ञा कब मिलती है ?

उत्तर : जब उस पर जन (मनुष्य) निवास करते हैं तब पृथ्वी को मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त होती है । मनुष्य के कारण ही पृथ्वी माता कहलाती है ।

Final Answer :

जन के कारण पृथ्वी को मातृभूमि की संज्ञा मिलती है ।

Quick Tip

भूमि केवल भूमि है, मनुष्य के कारण ही वह मातृभूमि कहलाती है ।

Q3(v). रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए – “पृथ्वी माता है और जन सच्चे अर्थों में पृथ्वी का पुत्र है” ।

उत्तर : इस अंश का आशय यह है कि पृथ्वी और मनुष्य का संबंध माता-पुत्र के समान है । जैसे माता अपने पुत्र को जन्म देकर उसका पालन-पोषण करती है, उसी प्रकार पृथ्वी मनुष्य को जीवन प्रदान करती है और उसके जीवन का आधार बनती है । इसलिए मनुष्य को पृथ्वी का पुत्र कहा गया है ।

Final Answer :

मनुष्य और पृथ्वी का संबंध मातृ-पुत्र जैसा है ।

Quick Tip

रेखांकित अंश की व्याख्या करते समय उसमें छिपे प्रतीक और गूढ़ार्थ को स्पष्ट करना चाहिए ।

Or

Q3. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

नए शब्द, नए मुहावरे एवं नई नीतियों के प्रयोगों से युक्त भाषा का व्यावहारिकता प्रधान रूप ही भाषा में आधुनिकता लाता है । दूसरे शब्दों में केवल आधुनिक युगीन विचारधाराओं के अनुरूप नए शब्दों के गढ़ने मात्र से ही भाषा का विकास नहीं होता, बल्कि नए पारिभाषिक शब्दों एवं नवीन शैली प्रणालियों को व्यवस्थित रूप से लाना ही भाषा को आधुनिकता प्रदान करता है ।

(i) उद्धृत गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

उत्तर : यह गद्यांश भाषा की आधुनिकता और विकास से संबंधित है । इसमें बताया गया है कि केवल नए शब्द बनाने से भाषा का विकास नहीं होता, बल्कि भाषा को आधुनिक और उपयोगी बनाने के लिए नए मुहावरे, पारिभाषिक शब्द और नवीन शैली का प्रयोग आवश्यक है ।

Final Answer :

यह गद्यांश भाषा की आधुनिकता और विकास पर आधारित है ।

Quick Tip

सन्दर्भ लिखते समय यह बताना जरूरी है कि गद्यांश किस विषय या पाठ से लिया गया है ।

Q3(ii). रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

उत्तर : रेखांकित अंश “बल्कि नए पारिभाषिक शब्दों एवं नवीन शैली प्रणालियों को व्यवस्थित रूप से लाना ही भाषा को आधुनिकता प्रदान करता है” का अर्थ है कि भाषा की आधुनिकता केवल नए शब्दों से नहीं आती । भाषा को प्रगतिशील और प्रभावशाली बनाने के लिए उसमें तकनीकी, वैज्ञानिक एवं विशिष्ट पारिभाषिक शब्दों का समावेश होना चाहिए । साथ ही नवीन शैलियों और अभिव्यक्ति प्रणालियों का प्रयोग भी आवश्यक है ।

Final Answer :

भाषा की आधुनिकता पारिभाषिक शब्दों और नवीन शैलियों से आती है ।

Quick Tip

रेखांकित अंश की व्याख्या में उसके वास्तविक और निहितार्थ दोनों स्पष्ट करने चाहिए ।

Q3(iii). भाषा में आधुनिकता कैसे लाई जा सकती है ?

उत्तर : भाषा में आधुनिकता लाने के लिए उसमें नए शब्द, नए मुहावरे, पारिभाषिक शब्द और नवीन अभिव्यक्ति शैलियों का प्रयोग आवश्यक है । केवल नए शब्द गढ़ने से नहीं बल्कि उन्हें व्यवस्थित रूप से व्यवहार में लाने से ही भाषा में वास्तविक आधुनिकता आती है ।

Final Answer :

नए शब्द, मुहावरे और पारिभाषिक शब्दों से भाषा में आधुनिकता आती है ।

Quick Tip

भाषा का आधुनिकीकरण तभी संभव है जब उसमें समकालीन विचारधारा और पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग किया जाए ।

Q3(iv). किसके गढ़ने मात्र से भाषा का विकास नहीं होता है ?

उत्तर : भाषा का विकास केवल नए शब्दों के गढ़ने मात्र से नहीं होता । इसके लिए भाषा में प्रयोग होने वाले पारिभाषिक शब्दों और नई शैलियों का भी समावेश आवश्यक है ।

Final Answer :

केवल नए शब्द गढ़ने मात्र से भाषा का विकास नहीं होता ।

Quick Tip

केवल शब्द-सृजन से भाषा प्रगतिशील नहीं बनती ; उसके प्रयोग और शैलीगत नवाचार से ही विकास होता है ।

Q3(v). इस गद्यांश के माध्यम से लेखक ने किन बिन्दुओं पर प्रकाश डाला है ?

उत्तर : इस गद्यांश के माध्यम से लेखक ने निम्न बिंदुओं पर प्रकाश डाला है –

- केवल नए शब्द गढ़ने से भाषा का विकास नहीं होता ।
- नए मुहावरों और पारिभाषिक शब्दों का समावेश आवश्यक है ।
- नई अभिव्यक्ति शैली और लेखन पद्धति से भाषा में आधुनिकता आती है ।
- भाषा का वास्तविक विकास उसके प्रयोग और व्यवहार से होता है ।

Final Answer :

लेखक ने भाषा में आधुनिकता लाने के उपायों पर प्रकाश डाला है ।

Quick Tip

जब प्रश्न “किन बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया है” पूछा जाए, तो उत्तर बुलेट पॉइंट्स में लिखना सबसे प्रभावी होता है ।

Q4. दिए गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

तुम मानहीन, तुम द्रवहीन हे अघटनीय ! तुम अघटनीय, तुम शुद्ध बुद्ध आत्मा केवल, हे विर पुराण ! हे विर नवीन !

तुम पूर्ण ईकाई जीवन की जिसमें असार भव-शून्य लीन, आधार अमर, होगी जिस पर भावी की संस्कृति समाहित ।

(i) उद्धृत पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

उत्तर : यह पद्यांश महात्मा गांधी के व्यक्तित्व और जीवन-दर्शन पर आधारित है । इसमें कवि ने गांधीजी को भारतीय संस्कृति का आधार और भावी युग के लिए आदर्श बताया है ।

Final Answer :

यह पद्यांश गांधीजी के जीवन-दर्शन और संस्कृति पर आधारित है ।

Quick Tip

सन्दर्भ में यह लिखना चाहिए कि पद्यांश किस प्रसंग, विषय या व्यक्तित्व से लिया गया है ।

Q4(ii). रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए – “हे विर पुराण ! हे विर नवीन !”

उत्तर : इस रेखांकित अंश में कवि ने गांधीजी को एक ओर प्राचीन भारतीय परंपराओं का प्रतिनिधि और दूसरी ओर नवीन युग का पथप्रदर्शक बताया है । गांधीजी की विचारधारा भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ी होने के साथ-साथ आधुनिकता और भविष्य के लिए भी प्रेरणादायी है ।

Final Answer :

गांधीजी प्राचीनता और नवीनता के अद्वितीय संगम हैं ।

Quick Tip

रेखांकित अंश की व्याख्या करते समय शाब्दिक अर्थ और भावार्थ दोनों को स्पष्ट करना आवश्यक होता है ।

Q4(iii). प्रस्तुत पद्यांश में कवि का आशय क्या है ?

उत्तर : कवि का आशय यह है कि गांधीजी का जीवन भौतिक आकर्षण से रहित, आत्मिक शक्ति और सत्य पर आधारित था । वे मानवता के लिए पूर्ण आदर्श बने और उनका जीवन भावी संस्कृति का आधार बनेगा ।

Final Answer :

कवि का आशय है कि गांधीजी का जीवन भावी संस्कृति का आधार है ।

Quick Tip

आशय लिखते समय यह बताना चाहिए कि कवि किस मुख्य संदेश को देना चाहता है ।

Q4(iv). कौन अधिष्ठानों का श्रेष्ठ प्रतीक होता है ?

उत्तर : सत्य, अहिंसा और आत्मबल जैसे जीवन-मूल्य अधिष्ठानों के श्रेष्ठ प्रतीक हैं । गांधीजी ने अपने जीवन में इन मूल्यों का पालन किया और इन्हीं के आधार पर उनका जीवन मानवता के लिए आदर्श बना ।

Final Answer :

सत्य और आत्मबल के अधिष्ठान श्रेष्ठ प्रतीक होते हैं ।

Quick Tip

"अधिष्ठान" का अर्थ है आधार या मूलभूत तत्व । उत्तर में इसे स्पष्ट करना चाहिए ।

Q4(v). गांधीजी का जीवन किसका आधार है ?

उत्तर : गांधीजी का जीवन भावी मानव संस्कृति और सभ्यता का आधार है । उनके आदर्श और जीवन-मूल्य समाज को सत्य, अहिंसा और सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ाते हैं ।

Final Answer :

गांधीजी का जीवन भावी संस्कृति और सभ्यता का आधार है ।

Quick Tip

गांधीजी का जीवन मूल्य-आधारित समाज और संस्कृति के निर्माण की नींव है ।

Or

Q4. दिए गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

समर्पण लो सेवा का सार सजल संस्कृति का यह पतवार ; आज से यह जीवन उत्सर्गी इसी पतवार में विलीन विचार ।

बनो संस्कृति के मूल रहस्य तुम्हीं से फैलेगी वह बेल ; विश्वसम सौन्दर्य से भर जाय सुमन के खेलने सुन्दर खेल ।

(i) उद्धृत पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

उत्तर : यह पद्यांश सेवा और समर्पण की महत्ता को स्पष्ट करता है । इसमें कवि ने मानव जीवन को संस्कृति और सेवा के माध्यम से महान बनाने का संदेश दिया है ।

Final Answer :

यह पद्यांश सेवा, समर्पण और संस्कृति की महत्ता पर आधारित है ।

Quick Tip

सन्दर्भ लिखते समय यह स्पष्ट करना चाहिए कि पद्यांश का विषय और संदेश क्या है ।

Q4(ii). रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए – “विश्वसम सौन्दर्य से भर जाय सुमन के खेलने सुन्दर खेल” ।

उत्तर : इस अंश का भावार्थ है कि जब जीवन सेवा और समर्पण से भरा होगा, तब संसार सौन्दर्य और आनंद से परिपूर्ण हो जाएगा । फूलों की तरह मानव जीवन भी खिल उठेगा और समाज में सौन्दर्य का वातावरण बनेगा ।

Final Answer :

सेवा और समर्पण से जीवन और संसार सौन्दर्य से भर जाता है ।

Quick Tip

रेखांकित अंश की व्याख्या में न केवल शाब्दिक अर्थ, बल्कि भावार्थ को भी स्पष्ट करना चाहिए ।

Q4(iii). यह किन दो पात्रों का संवाद है ?

उत्तर : यह संवाद कवि और मानवता (समाज/जीवन) के बीच का है । कवि जीवन से कह रहा है कि समर्पण और सेवा के माध्यम से ही संस्कृति का विकास संभव है ।

Final Answer :

यह संवाद कवि और मानवता के बीच का है ।

Quick Tip

"किन दो पात्रों का संवाद" वाले प्रश्नों में व्यक्तिपरक और प्रतीकात्मक पात्रों का उल्लेख करना चाहिए ।

Q4(iv). सृष्टि का क्रम कैसे बढ़ेगा ?

उत्तर : सृष्टि का क्रम सेवा, समर्पण और त्याग के माध्यम से बढ़ेगा । जब मनुष्य अपने जीवन को समाज और संस्कृति के कल्याण के लिए समर्पित करेगा, तभी जीवन की धारा आगे बढ़ेगी और सृष्टि का संतुलन बना रहेगा ।

Final Answer :

सृष्टि का क्रम सेवा और समर्पण से बढ़ेगा ।

Quick Tip

सृष्टि का विकास व्यक्तिगत स्वार्थ से नहीं, बल्कि सेवा और त्याग से होता है ।

Q4(v). 'सजल संस्कृति' का क्या अर्थ है ?

उत्तर : 'सजल संस्कृति' का अर्थ है जीवन और समाज को सींचने वाली, प्रेम और सेवा से ओतप्रोत संस्कृति । यह संस्कृति त्याग, सेवा और समर्पण पर आधारित होती है ।

Final Answer :

'सजल संस्कृति' का अर्थ है – सेवा और प्रेम से परिपूर्ण संस्कृति ।

Quick Tip

'सजल' शब्द का प्रयोग यहाँ करुणा, संवेदना और प्रेमपूर्ण संस्कृति के लिए किया गया है ।

Q5. निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उसकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) ।

- (i) हज़ारीप्रसाद द्विवेदी
- (ii) पं. दीनदयाल उपाध्याय
- (iii) बाबूदेवराम अय्यवाल

Q5(i). हज़ारीप्रसाद द्विवेदी का साहित्यिक परिचय दीजिए और उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए ।

साहित्यिक परिचय : हज़ारीप्रसाद द्विवेदी हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध निबंधकार, आलोचक और उपन्यासकार थे । वे विद्वान, चिंतक और भारतीय संस्कृति के गहन अध्येता थे । उनकी लेखनी में विद्वत्ता, शोध और संवेदनशीलता का अद्भुत मेल मिलता है । उन्होंने हिंदी साहित्य को आलोचना और निबंध की नई ऊँचाइयाँ प्रदान कीं ।

प्रमुख रचनाएँ : 'आश्रम प्रवास', 'आचार्य रामचंद्र शुक्ल', 'अशोक के फूल', 'कबीर', 'अनामदास का पोथा' (उपन्यास), 'बाणभट्ट की आत्मकथा' ।

Final Answer :

हज़ारीप्रसाद द्विवेदी हिंदी साहित्य के श्रेष्ठ निबंधकार और उपन्यासकार थे । उनकी 'कबीर' और 'अनामदास का पोथा' प्रमुख रचनाएँ हैं ।

Quick Tip

लेखक परिचय लिखते समय योगदान और प्रमुख रचनाएँ दोनों अवश्य लिखें ।

Q5(ii). पं. दीनदयाल उपाध्याय का साहित्यिक परिचय दीजिए और उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए ।

साहित्यिक परिचय : पं. दीनदयाल उपाध्याय महान विचारक, राजनीतिज्ञ और पत्रकार थे । वे भारतीय जनसंघ के प्रमुख नेता और 'एकात्म मानववाद' के प्रणेता थे । उनकी रचनाओं में भारतीय संस्कृति और राजनीति का गहन चिंतन मिलता है ।

प्रमुख रचनाएँ : 'एकात्म मानववाद', 'राष्ट्रजीवन की समस्याएँ', 'भारतीय संस्कृति', 'समस्याएँ और समाधान' ।

Final Answer :

पं. दीनदयाल उपाध्याय भारतीय राजनीति और संस्कृति के गहन चिंतक थे । उनकी 'एकात्म मानववाद' प्रसिद्ध रचना है ।

Quick Tip

राजनीतिक विचारकों की रचनाओं में उनके जीवन-दर्शन और विचारधारा का प्रतिबिंब अवश्य लिखना चाहिए ।

Q5(iii). बाबूदेवराम अय्यवाल का साहित्यिक परिचय दीजिए और उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए ।

साहित्यिक परिचय : बाबूदेवराम अय्यवाल हिंदी साहित्य के रचनाकार थे जिन्होंने हिंदी की सेवा करते हुए समाज-सुधारक विचार प्रस्तुत किए। उनके साहित्य में राष्ट्रीय चेतना और सामाजिक जागरूकता का संदेश मिलता है।

प्रमुख रचनाएँ : उनकी प्रमुख रचनाओं में निबंध, विचारपरक लेख और सामाजिक सुधार की प्रेरणादायी कृतियाँ सम्मिलित हैं (विशिष्ट नाम परीक्षा पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट किए जाते हैं)।

Final Answer :

बाबूदेवराम अय्यवाल सामाजिक चेतना और राष्ट्रीयता के समर्थक साहित्यकार थे।

Quick Tip

यदि किसी लेखक की सभी रचनाओं के नाम ज्ञात न हों, तो सामान्य साहित्यिक योगदान और उनका प्रभाव अवश्य लिखना चाहिए।

Q5(i). अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरीओध' का साहित्यिक परिचय दीजिए और उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए।

साहित्यिक परिचय : अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरीओध' आधुनिक हिंदी कविता के प्रारंभिक युग के प्रमुख कवि थे। उन्होंने हिंदी खड़ी बोली को काव्यात्मकता प्रदान की। वे राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक जागरण के कवि थे।

प्रमुख रचनाएँ : 'प्रियप्रवास' (महाकाव्य), 'रसकलश', 'प्रियंबदा', 'विजयिनी विजय', 'चेतना'।

Final Answer :

'प्रियप्रवास' हरीओध की अमर कृति है और वे खड़ी बोली के श्रेष्ठ कवि थे।

Quick Tip

हरीओध की कविताओं में राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक गौरव झलकता है।

Q5(ii). जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक परिचय दीजिए और उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए।

साहित्यिक परिचय : जयशंकर प्रसाद हिंदी साहित्य के छायावाद युग के चार स्तंभों में से एक थे। वे कवि, नाटककार, कहानीकार और उपन्यासकार थे। उनकी रचनाओं में गहन भावुकता, रहस्यवाद और भारतीय संस्कृति का गौरव मिलता है।

प्रमुख रचनाएँ : काव्य – 'कामायनी', 'आंसू', 'झरना'। नाटक – 'चंद्रगुप्त', 'स्कंदगुप्त', 'ध्रुवस्वामिनी'। कहानियाँ – 'छोटे-छोटे टुकड़े'। उपन्यास – 'कंकाल', 'तितली'।

Final Answer :

प्रसाद छायावाद के महान कवि थे और 'कामायनी' उनकी अमर कृति है ।

Quick Tip

प्रसाद की रचनाओं में रहस्यवाद और करुणा का अद्भुत समन्वय है ।

Q5(iii). सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' का साहित्यिक परिचय दीजिए और उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए ।

साहित्यिक परिचय : अज्ञेय आधुनिक हिंदी साहित्य के प्रयोगवादी और नई कविता आंदोलन के प्रवर्तक कवि थे । वे स्वतंत्रता सेनानी, उपन्यासकार, संपादक और आलोचक भी थे । उनकी रचनाओं में आत्मचेतना, स्वतंत्रता और आधुनिक बोध की अभिव्यक्ति मिलती है ।

प्रमुख रचनाएँ : काव्य – 'हरी घास पर क्षणभर', 'भटके हुए दीपक' । उपन्यास – 'शेखर : एक जीवनी', 'नदी के द्वीप' । संपादन – 'तर सप्तक' ।

Final Answer :

अज्ञेय प्रयोगवादी और नई कविता के प्रवर्तक कवि थे । 'शेखर : एक जीवनी' उनकी अमर रचना है ।

Quick Tip

अज्ञेय की विशेषता है – गहन आत्मचेतना, प्रयोगधर्मिता और आधुनिक जीवन-दर्शन ।

Q6(i). 'खून का रिश्ता' अथवा 'पंतलाइट' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) ।

उत्तर : 'खून का रिश्ता' कहानी परिवारिक संबंधों की गहराई और खून के रिश्ते की महत्ता को दर्शाती है । कहानी में दिखाया गया है कि जीवन में चाहे कितने भी मतभेद क्यों न हों, रक्त संबंध कभी टूटते नहीं । संकट के समय यही रिश्ते व्यक्ति को सहारा देते हैं । इस कहानी के माध्यम से लेखक ने खून के रिश्ते की आत्मीयता और संवेदना को उभारा है ।

Final Answer :

'खून का रिश्ता' कहानी रक्त संबंधों की अटूटता और संवेदना पर आधारित है ।

Quick Tip

सारांश लिखते समय कहानी का मुख्य संदेश और भाव स्पष्ट होना चाहिए, विस्तार में नहीं जाना चाहिए ।

Or

Q6(ii). 'बहादुर' अथवा 'लाठी' कहानी के कथानक पर प्रकाश डालिए (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द)।

उत्तर : 'लाठी' कहानी में ग्रामीण समाज की मानसिकता और स्वाभिमान का चित्रण है। इसमें दिखाया गया है कि किस प्रकार एक साधारण सी लाठी भी गाँव में प्रतिष्ठा और अधिकार का प्रतीक बन जाती है। यह कहानी सामाजिक संबंधों, झगड़ों और गाँव की सामूहिक चेतना को उजागर करती है। लेखक ने लाठी के माध्यम से मानव स्वभाव में छिपी शक्ति और अहंकार का गहरा चित्रण किया है।

Final Answer :

'लाठी' कहानी गाँव की सामाजिक चेतना और स्वाभिमान का प्रतीक है।

Quick Tip

कथानक लिखते समय पात्रों और घटनाओं की श्रृंखला का संक्षिप्त उल्लेख करना चाहिए।

Q7(i). 'मुक्तिपथ' खंडकाव्य की कथावस्तु लिखिए (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द)।

उत्तर : 'मुक्तिपथ' खंडकाव्य की कथावस्तु महात्मा गांधी के जीवन और उनके स्वतंत्रता-संग्राम पर आधारित है। इसमें भारत की दासता, अंग्रेजी शासन की क्रूरता और जनता की पीड़ा का चित्रण किया गया है। साथ ही, गांधीजी के सत्य, अहिंसा और त्यागपूर्ण जीवन को स्वतंत्रता प्राप्ति का सशक्त साधन बताया गया है। यह खंडकाव्य स्वतंत्रता आंदोलन और गांधीजी के नेतृत्व की प्रेरणादायी झलक प्रस्तुत करता है।

Final Answer :

'मुक्तिपथ' खंडकाव्य की कथावस्तु गांधीजी के जीवन और स्वतंत्रता आंदोलन पर आधारित है।

Quick Tip

कथावस्तु लिखते समय मुख्य पात्र और उनके कार्यों का संक्षिप्त उल्लेख अवश्य करें।

OR

Q7(i). 'मुक्तिपथ' खंडकाव्य के आधार पर गांधीजी का चरित्र-चित्रण कीजिए (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द)।

उत्तर : 'भुक्तिपथ' खंडकाव्य में गांधीजी का चरित्र महान राष्ट्रनायक के रूप में चित्रित है। वे सत्य और अहिंसा के उपासक थे। उनका जीवन सादगी, सेवा और त्याग से परिपूर्ण था। उन्होंने भारतीय जनमानस को स्वतंत्रता के लिए एकजुट किया। उनका आत्मबल और धैर्य अंग्रेजी साम्राज्य के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणा बना। वे केवल राजनीतिक नेता ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक मार्गदर्शक भी थे।

Final Answer :

'भुक्तिपथ' में गांधीजी का चरित्र सत्य, अहिंसा और त्याग पर आधारित है।

Quick Tip

चरित्र-चित्रण लिखते समय व्यक्तित्व के गुण, जीवन मूल्य और समाज पर प्रभाव का उल्लेख करना चाहिए।

Q7(ii). 'राश्मिरेखा' खंडकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

उत्तर : 'राश्मिरेखा' खंडकाव्य का नायक आदर्शवादी, त्यागी और महान व्यक्तित्व का धनी है। उसमें संघर्षशीलता, आत्मबल और निष्ठा की भावना विद्यमान है। नायक जीवन के कठिन प्रसंगों में भी धैर्य और संयम बनाए रखता है। उसका जीवन सत्य, करुणा और कर्तव्यनिष्ठा से प्रेरित है। वह केवल व्यक्तिगत जीवन में ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए भी आदर्श प्रस्तुत करता है।

Final Answer :

'राश्मिरेखा' का नायक त्याग, आदर्श और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है।

Quick Tip

चरित्र-चित्रण लिखते समय नायक के गुण, जीवन मूल्य और समाज पर प्रभाव को स्पष्ट करना चाहिए।

OR

Q7(ii). 'राश्मिरेखा' खंडकाव्य की कथावस्तु को संक्षेप में लिखिए।

उत्तर : 'राश्मिरेखा' खंडकाव्य की कथावस्तु में जीवन के आदर्शों, कर्तव्य और त्याग की भावना का चित्रण है। इसमें संघर्ष और बाधाओं के बीच सत्य और धर्म की विजय को प्रस्तुत किया गया है। कवि ने नायक के माध्यम से यह संदेश दिया है कि मनुष्य को विपरीत परिस्थितियों में भी अपने आदर्शों और कर्तव्यों पर अडिग रहना चाहिए।

Final Answer :

‘राश्मिरेखा’ की कथावस्तु आदर्श, संघर्ष और कर्तव्यनिष्ठा पर आधारित है ।

Quick Tip

कथावस्तु लिखते समय कहानी/काव्य का सारांश संक्षिप्त और स्पष्ट रूप से लिखना चाहिए ।

Q7(iii). ‘आलोकवृंत’ खंडकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

उत्तर : ‘आलोकवृंत’ खंडकाव्य का नायक उच्च आदर्शों वाला, सत्य और करुणा से युक्त व्यक्तित्व है । उसमें त्याग, धैर्य और आत्मबल की विशेषताएँ पाई जाती हैं । नायक समाज और राष्ट्र की सेवा को ही जीवन का उद्देश्य मानता है । वह कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों से विचलित नहीं होता । उसका जीवन आध्यात्मिकता और मानवीय मूल्यों पर आधारित है ।

Final Answer :

नायक की चारित्रिक विशेषताएँ – आदर्शवाद, त्याग, धैर्य और मानवता हैं ।

Quick Tip

चरित्र-चित्रण में नायक के गुण, व्यक्तित्व और समाज पर प्रभाव का संक्षिप्त विवरण दें ।

or

Q7(iii). ‘आलोकवृंत’ खंडकाव्य की कथावस्तु को अपने शब्दों में वर्णित कीजिए ।

उत्तर : ‘आलोकवृंत’ खंडकाव्य की कथावस्तु में जीवन के आदर्शों, सत्य, त्याग और मानवता के संदेश का चित्रण है । इसमें दिखाया गया है कि मनुष्य का जीवन तभी सार्थक है जब वह समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित हो । कवि ने नायक के माध्यम से यह बताया है कि प्रकाश (आलोक) का वास्तविक स्वरूप मानवता और करुणा के संवर्धन में निहित है ।

Final Answer :

‘आलोकवृंत’ की कथावस्तु त्याग, सेवा और मानवता पर आधारित है ।

Quick Tip

कथावस्तु लिखते समय केवल मुख्य भाव और संदेश का संक्षेप में वर्णन करना चाहिए ।

Q7(iv). 'त्यागपथी' खंडकाव्य के आधार पर राजमंतरी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

उत्तर : 'त्यागपथी' खंडकाव्य का राजमंतरी बुद्धिमान, नीतिज्ञ और कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति है । वह राजकार्य को निष्ठा और ईमानदारी से निभाता है । राजमंतरी का चरित्र नीति और धर्म पर आधारित है । वह राजा को सच्ची और निष्पक्ष सलाह देता है तथा राज्य की सुरक्षा और प्रजा के कल्याण को सर्वोपरि मानता है । राजमंतरी में सत्यनिष्ठा, विवेकशीलता और राष्ट्रहित की भावना विद्यमान है ।

Final Answer :

राजमंतरी का चरित्र नीति, निष्ठा और राष्ट्रहित पर आधारित है ।

Quick Tip

चरित्र-चित्रण में व्यक्ति के गुण, दोष और योगदान को संक्षेप में लिखना चाहिए ।

or

Q7(iv). 'त्यागपथी' खंडकाव्य के चतुर्थ सर्ग का कथानक लिखिए ।

उत्तर : 'त्यागपथी' खंडकाव्य के चतुर्थ सर्ग में त्याग, सेवा और बलिदान की महत्ता का चित्रण है । इसमें नायक द्वारा राष्ट्रहित में किए गए त्याग और कठिन परिस्थितियों में भी धर्म और कर्तव्य पालन की दृढ़ता दिखाई गई है । कवि ने बताया है कि सच्चा त्याग ही जीवन को महान बनाता है और समाज को नई दिशा प्रदान करता है ।

Final Answer :

चतुर्थ सर्ग का कथानक त्याग और कर्तव्यनिष्ठा पर आधारित है ।

Quick Tip

कथानक लिखते समय घटनाओं की संक्षिप्त रूपरेखा और मुख्य संदेश को अवश्य लिखें ।

Q7(v). 'श्रवणकुमार' खंडकाव्य के आधार पर दशरथ का चरित्रांकन कीजिए ।

उत्तर : 'श्रवणकुमार' खंडकाव्य में दशरथ का चरित्र एक करुणाजनक और भावनात्मक रूप में चित्रित है । वे पराक्रमी, धर्मनिष्ठ और प्रजा-वत्सल राजा थे । किंतु अनजाने में हुई गलती से उन्होंने श्रवण-कुमार को बाण से घायल कर दिया । इस घटना से उनका हृदय द्रवित हो उठता है और वे अत्यधिक दुःखी होते हैं । दशरथ का चरित्र इस बात का प्रमाण है कि महान से महान व्यक्ति भी भूल कर सकता है, किंतु संवेदनशील हृदय उसे पश्चात्ताप की पीड़ा में जीने पर विवश कर देता है ।

Final Answer :

दशरथ का चरित्र धर्मनिष्ठ, प्रजा-वत्सल और संवेदनशील है ।

Quick Tip

चरित्रांकन लिखते समय व्यक्ति की विशेषताएँ और उसके जीवन से मिलने वाली शिक्षा अवश्य जोड़ें ।

or

Q7(v). 'श्रवणकुमार' खंडकाव्य के 'संदेशा सर्ग' की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

उत्तर : 'संदेशा सर्ग' की कथावस्तु अत्यंत मार्मिक है । इसमें श्रवणकुमार अपने अंधे माता-पिता की सेवा के लिए जल लेने जाते हैं । मार्ग में दशरथ के बाण से उनकी मृत्यु हो जाती है । मृत्यु के पूर्व वे अपने माता-पिता को अंतिम संदेश देते हैं । यह संदेश सेवा, त्याग और माता-पिता के प्रति कर्तव्य की महत्ता को उजागर करता है ।

Final Answer :

'संदेशा सर्ग' की कथावस्तु माता-पिता की सेवा और कर्तव्यनिष्ठा पर आधारित है ।

Quick Tip

कथावस्तु का वर्णन करते समय मुख्य घटना और उसका भाव स्पष्ट होना चाहिए ।

Q7(vi). 'सत्य की जीत' खंडकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

उत्तर : 'सत्य की जीत' खंडकाव्य की कथावस्तु महाभारत की घटनाओं पर आधारित है । इसमें धर्म और सत्य की शक्ति को प्रमुखता दी गई है । अन्याय और अधर्म के विरोध में पांडवों का संघर्ष तथा कृष्ण के मार्गदर्शन से धर्म की विजय का चित्रण किया गया है । यह खंडकाव्य इस संदेश को प्रस्तुत करता है कि असत्य और अन्याय चाहे कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः सत्य और धर्म की ही विजय होती है ।

Final Answer :

'सत्य की जीत' की कथावस्तु सत्य और धर्म की विजय पर आधारित है ।

Quick Tip

कथावस्तु लिखते समय मुख्य घटनाओं और संदेश को संक्षेप में स्पष्ट करना चाहिए ।

or

Q7(vi). 'सत्य की जीत' खंडकाव्य के आधार पर द्रौपदी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

उत्तर : 'सत्य की जीत' खंडकाव्य में द्रौपदी का चरित्र साहसी, दृढ़निश्चयी और स्वाभिमानी स्त्री के रूप में उभरता है । द्रौपदी अपमान सहने के बाद भी हार नहीं मानती और अन्याय के विरुद्ध आवाज़ उठाती है । उसका चरित्र यह दर्शाता है कि स्त्री केवल करुणा और त्याग का प्रतीक ही नहीं, बल्कि अन्याय और अधर्म के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक भी है । द्रौपदी की दृढ़ता और आत्मबल धर्म और न्याय की विजय का मार्ग प्रशस्त करते हैं ।

Final Answer :

द्रौपदी का चरित्र साहस, आत्मबल और स्वाभिमान का प्रतीक है ।

Quick Tip

चरित्र-चित्रण लिखते समय नायक/नायिका की विशेषताओं और उनसे मिलने वाले संदेश पर ध्यान देना चाहिए ।

Q8. दिए गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सरल एवं सुबोध हिंदी में अनुवाद कीजिए ।

अर्थात् : शकुनिः — सर्वेषां मद्यपानाद्यधर्मेषु प्रवृत्ताः अत्राज्ञाः । ततः एकः काकः उक्तवान् — 'यदि तावत्, अस्य राजा दायित्वं राज्याभिषेकार्थं योग्यं रूपं धत्ते, कुरुकुलं च कीर्तिषु भविष्यति ।' अतः हि कुन्दने अनवलोकितः । एवं नकुलस्त्रतो ग्रीवाविलसितः इति तत् चक्षुष्यम् । इत्युक्त्वा राजा मध्ये न रोचते इत्यादि ।

अनुवाद (हिंदी में) : शकुनि कहता है कि सभी लोग मद्यपान आदि अधर्मों में प्रवृत्त हो गए हैं । तब एक कौआ कहता है – यदि यह राजा राज्याभिषेक के योग्य रूप और उत्तरदायित्व धारण करता है, तो कुरुकुल की कीर्ति होगी । परंतु राजा में ऐसा लक्षण दृष्टिगोचर नहीं होता । नकुल की चाल भी ग्रीवा-विलास जैसी है । अतः यह राजा सभा में उपयुक्त नहीं प्रतीत होता ।

Final Answer :

इस गद्यांश का भाव यह है कि योग्य राजा ही कुल की कीर्ति को बढ़ा सकता है ।

Quick Tip

अनुवाद करते समय संस्कृत शब्दों का शाब्दिक अर्थ देने के बजाय भावानुसार सरल हिंदी लिखनी चाहिए ।

or

Q8 (Alternative). दिए गये संस्कृत गद्यांश का हिंदी में अनुवाद कीजिए –

याज्ञवल्क्य उवाच — न वा अरे मैत्रेयी पतिः कामाय पतिः प्रियो भवति । आत्मनस्तु कामाय पतिः प्रियो भवति । न वा अरे, जायाया कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै जाया प्रिया भवति । न वा अरे, पुत्रस्य कामाय पुत्रः प्रियः भवति, आत्मनस्तु कामाय पुत्रः प्रियः भवति । न वा अरे, सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियम् भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्वं प्रियम् भवति ।

अनुवाद (हिंदी में) : याज्ञवल्क्य ने कहा — हे मैत्रेयी ! पति पत्नी के लिए प्रिय नहीं होता, बल्कि आत्मा के लिए प्रिय होता है । इसी प्रकार पत्नी पति के लिए नहीं, आत्मा के लिए प्रिय होती है । पुत्र भी अपने आप में नहीं, आत्मा के कारण ही प्रिय होता है । वास्तव में संसार की प्रत्येक वस्तु आत्मा के कारण ही प्रिय होती है ।

Final Answer :

इस गद्यांश का भाव है कि आत्मा ही सबको प्रिय बनाती है, न कि बाहरी संबंध ।

Quick Tip

इस प्रकार के गद्यांशों में दार्शनिक भाव को समझकर ही हिंदी अनुवाद करना चाहिए ।

Q8(b). दिए गये श्लोकों में से किसी एक का सरल एवं समसामयिक हिंदी में अनुवाद कीजिए ।

सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परामादाय पक्षम् । वृणुते हि विपत्तिकारीणां गुणलुब्धाः हि स्वयं एव संपदः ।।

अनुवाद (हिंदी में) : बिना विचार किए जल्दबाजी में कोई कार्य नहीं करना चाहिए । क्योंकि गुणों के लोभ में किया गया कार्य विपत्ति का कारण बन जाता है । अतः विवेक और धैर्य के साथ किया गया कार्य ही सफलता प्रदान करता है ।

Final Answer :

श्लोक का भाव यह है कि बिना विवेक के किया गया कार्य विपत्ति लाता है ।

Quick Tip

अनुवाद करते समय श्लोक का निहित संदेश स्पष्ट लिखना चाहिए ।

or

Q8(b) (Alternative). दिए गये श्लोक का हिंदी में अनुवाद कीजिए –

वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि । लोकवृत्तानि चैतानि को न विज्ञातुमर्हति ।।

अनुवाद (हिंदी में) : मनुष्य का स्वभाव कभी वज्र से भी कठोर और कभी पुष्प से भी कोमल होता है । यही लोक का स्वभाव है और प्रत्येक व्यक्ति इस भिन्नता को अनुभव कर सकता है ।

Final Answer :

श्लोक का भाव यह है कि मनुष्य का स्वभाव कठोर और कोमल दोनों हो सकता है ।

Quick Tip

श्लोकों के अनुवाद में तुलना और उपमा का भाव स्पष्ट करना चाहिए ।

Q9(i). मुहावरा : हवा में तलवार चलाना

अर्थ : बिना सोचे-समझे या व्यर्थ कार्य करना ।

वाक्य प्रयोग : बिना योजना बनाए किसी काम की शुरुआत करना हवा में तलवार चलाने के समान है ।

Final Answer :

हवा में तलवार चलाना = व्यर्थ कार्य करना

Quick Tip

मुहावरे का प्रयोग वाक्य में करते समय उसका भावार्थ स्पष्ट होना चाहिए ।

Q9(ii). मुहावरा : अपने मुंह मिट्ट बनना

अर्थ : स्वयं की प्रशंसा करना ।

वाक्य प्रयोग : विजय ने स्वयं को सबसे योग्य बताकर अपने मुंह मिट्ट बनने का कार्य किया ।

Final Answer :

अपने मुंह मिट्ट बनना = स्वयं की प्रशंसा करना

Quick Tip

मुहावरे को हमेशा सही भाव और सन्दर्भ में प्रयोग करें ।

Q9(iii). मुहावरा : मिट्टी में मिलाना

अर्थ : नष्ट करना या बर्बाद कर देना ।

वाक्य प्रयोग : भ्रष्टाचार ने देश की उन्नति की योजनाओं को मिट्टी में मिला दिया ।

Final Answer :

मिट्टी में मिलाना = नष्ट करना

Quick Tip

मुहावरे का प्रयोग वस्तुओं या योजनाओं की बर्बादी को दर्शाने के लिए किया जाता है ।

Q9(iv). मुहावरा : नौ दो ग्यारह होना

अर्थ : भाग जाना या तुरंत गायब हो जाना ।

वाक्य प्रयोग : पुलिस को देखकर चोर नौ दो ग्यारह हो गया ।

Final Answer :

नौ दो ग्यारह होना = भाग जाना

Quick Tip

इस मुहावरे का प्रयोग व्यक्ति या वस्तु के अचानक गायब होने के लिए किया जाता है ।

Q10(i). 'अविराम – अभिराम' शब्द-युग्म का सही अर्थ चुनकर लिखिए ।

- (A) लगातार और रुचिकर
- (B) बिना रुके और सुंदर
- (C) अनवरत और कठिन
- (D) गालीगलौज और शुभ्र

Correct Answer : (B) बिना रुके और सुंदर

उत्तर : 'अविराम' का अर्थ है बिना रुके, निरंतर ।

'अभिराम' का अर्थ है सुंदर, मनोहर ।

इसलिए सही विकल्प है – (B) बिना रुके और सुंदर ।

Final Answer :

अविराम = बिना रुके, अभिराम = सुंदर

Quick Tip

शब्द-युग्म में अक्सर ध्वनि समानता होती है, लेकिन अर्थ अलग-अलग होते हैं ।

Q10(ii). 'विहग – विहंग' शब्द-युग्म का सही अर्थ चुनकर लिखिए ।

- (A) पक्षी और चालक
- (B) पक्षी और तोता
- (C) पक्षी और आकाश
- (D) आकाश और पक्षी

Correct Answer : (D) आकाश और पक्षी

उत्तर : 'विहग' का अर्थ है आकाश,
जबकि 'विहंग' का अर्थ है पक्षी ।
इस प्रकार सही विकल्प है – (D) आकाश और पक्षी ।

Final Answer :

विहग = आकाश, विहंग = पक्षी

Quick Tip

शब्द-युग्म में एक ही धातु या मूल से निकले शब्दों के अर्थों का भेद याद रखना चाहिए ।

Q10(b). निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए :

(i) पूत

उत्तर (i) पूत : 1. पुत्र (बेटा)
2. पवित्र (शुद्ध)

Final Answer :

पूत = पुत्र तथा पवित्र

Quick Tip

अनेक हिंदी शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं जिन्हें संदर्भानुसार प्रयोग किया जाता है ।

(ii) कनक

उत्तर (ii) कनक : 1. सोना
2. धतूरा (एक विषैला पौधा)

Final Answer :

कनक = सोना तथा धतूरा

Quick Tip

समान शब्द के भिन्न अर्थ याद रखने से भाषा-ज्ञान मजबूत होता है ।

(iii) अम्बर

उत्तर (iii) अम्बर : 1. आकाश
2. वस्त्र

Final Answer :

अम्बर = आकाश तथा वस्त्र

Quick Tip

‘अम्बर’ शब्द का प्रयोग साहित्य में विशेषकर आकाश के लिए होता है ।

(iv) जलद

उत्तर (iv) जलद : 1. बादल
2. हाथी

Final Answer :

जलद = बादल तथा हाथी

Quick Tip

जलद शब्द का शाब्दिक अर्थ है "जो जल देता है", अतः यह बादल और हाथी दोनों के लिए प्रयुक्त होता है ।

Q10(i). "बिना वेतन लिए काम करने वाले" के लिए सही शब्द का चयन कीजिए –

- (A) सवेतनिक
- (B) अवेतनिक
- (C) वेतनमुक्त
- (D) सेवामुक्त

Correct Answer : (B) अवेतनिक

उत्तर : "अवेतनिक" शब्द का अर्थ है — जो वेतन नहीं लेता या बिना वेतन के कार्य करता है । जबकि – "सवेतनिक" = वेतन पाने वाला, "वेतनमुक्त" = वेतन से मुक्त, "सेवामुक्त" = सेवा से निवृत्त । इसलिए सही उत्तर है (B) अवेतनिक ।

Final Answer :

अवेतनिक = बिना वेतन लिए काम करने वाला

Quick Tip

शब्दों के उपसर्ग (स, अ, नि आदि) से उनके अर्थ में बड़ा अंतर आ जाता है ।

Q10(ii). "प्रिय बोलने वाली" के लिए सही शब्द का चयन कीजिए –

- (A) प्रिया
- (B) प्रियाषा
- (C) प्रियंवदा
- (D) प्रीति

Correct Answer : (C) प्रियंवदा

उत्तर : "प्रियंवदा" शब्द का अर्थ है — जो प्रिय वचन बोलती हो या मधुर वाणी वाली स्त्री । जबकि – "प्रिया" = प्रिय स्त्री, "प्रियाषा" = प्रिय की इच्छा, "प्रीति" = प्रेम । इसलिए सही उत्तर है (C) प्रियंवदा ।

Final Answer :

प्रियंवदा = प्रिय बोलने वाली

Quick Tip

समास और तद्धित प्रत्यय वाले शब्दों को पहचानने से सही विकल्प चुनना आसान हो जाता है ।

Q10(घ). निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

(i) शिवानी एक विद्वान् लेखिका थी ।

शुद्ध वाक्य (i) : शिवानी एक विदुषी लेखिका थीं ।

(ii) सीता घर जाता है ।

शुद्ध वाक्य (ii) : सीता घर जाती है ।

(iii) पुस्तक मेज में रखी है ।

शुद्ध वाक्य (iii) : पुस्तक मेज पर रखी है ।

(iv) गोष्ठी में अनेकों विद्वानों के भाषण हुए ।

शुद्ध वाक्य (iv) : गोष्ठी में अनेक विद्वानों के भाषण हुए ।

Final Answer :

(i) शिवानी एक विदुषी लेखिका थीं । (ii) सीता घर जाती है । (iii) पुस्तक मेज पर रखी है । (iv) गोष्ठी में अनेक विद्वानों के भाषण हुए ।
--

Quick Tip

वाक्य शुद्ध करते समय लिंग, वचन और कारक की त्रुटियों पर विशेष ध्यान देना चाहिए ।

Q11. अभीत गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

आवरण का विकास जीवन का परम उद्देश्य है । आवरण के विकास के लिए मानव प्रकार की सामग्रियों का, जो संसार सम्पूर्ण शारीरिक, प्राकृतिक, मानसिक और आध्यात्मिक जीवन में वर्तमान हैं, उन सबका आवरण के विकास के साधनों के संबंध में विचार करना होगा । आवरण के विकास के लिए जितने कर्म हैं, उन सबको आवरण के संप्रकटक धर्म के अंग मानना पड़ेगा । चाहे कोई कितना ही बड़ा महामानव क्यों न हो, वह निश्चितरूप से यह नहीं कह सकता कि यही ठीक मार्ग है, और किसी तरह नहीं । आवरण की प्राप्ति के लिए वह सबको एक पथ नहीं बता सकता ।

जीवन का परम उद्देश्य क्या है ?

उत्तर : जीवन का परम उद्देश्य आवरण का विकास है । मनुष्य का संपूर्ण शारीरिक, मानसिक, प्राकृतिक और आध्यात्मिक उत्थान ही जीवन का मुख्य लक्ष्य है ।

Final Answer :

जीवन का परम उद्देश्य आवरण का विकास है ।

Quick Tip

गद्यांश आधारित प्रश्नों में उत्तर सीधे गद्यांश के भाव से लेना चाहिए ।

आवरण के विकास के संबंध में क्या विचार आवश्यक है ?

उत्तर : आवरण के विकास के लिए जीवन के सभी कर्मों और साधनों पर विचार आवश्यक है । शारीरिक, मानसिक, प्राकृतिक और आध्यात्मिक सभी पक्षों को ध्यान में रखकर ही आवरण का विकास संभव है ।

Final Answer :

आवरण के विकास के लिए सभी साधनों और कर्मों पर विचार आवश्यक है ।

Quick Tip

उत्तर देते समय मुख्य विषय के आधार को स्पष्ट करना जरूरी है ।

‘आध्यात्मिक’ और ‘संप्रकटक’ शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर : ‘आध्यात्मिक’ का अर्थ है आत्मा से संबंधित, आत्मा के उत्थान से जुड़ा हुआ ।
‘संप्रकटक’ का अर्थ है प्रकट करने वाला, सामने लाने वाला ।

Final Answer :

आध्यात्मिक = आत्मा से संबंधित, संप्रकटक = प्रकट करने वाला

Quick Tip

शब्दार्थ लिखते समय संक्षेप और सटीक परिभाषा दें ।

Or

Q11 (Alternative). अभीत गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

कर्म में आनंद अनुभव करने वालों का नाम ही कर्मवीर है । धर्म और उदारता उच्च कर्मों के विधान में ही एक ऐसा दिव्य आनंद भरा रहता है कि कर्ता को वे ही फलस्वरूप लगते हैं । अन्याय का दमन और स्नेह का साम्राज्य करते हुए जिनमें जो उल्लास और तृप्ति होती है, वही लोकसेवकारी कर्मवीर का सच्चा सुख है ।

कर्मवीर किसे कहा जाता है ?

उत्तर : कर्म में आनंद अनुभव करने वाले, अन्याय का दमन करने वाले और लोकसेवा में सुख मानने वाले व्यक्ति को कर्मवीर कहा जाता है ।

Final Answer :

कर्मवीर वह है जो कर्म में आनंद अनुभव करे और लोकसेवा को ही सुख माने ।

Quick Tip

‘कर्मवीर’ का उत्तर हमेशा सेवा, न्याय और आनंद से जोड़कर लिखें ।

किस विधान में दिव्य आनंद भरा रहता है ?

उत्तर : धर्म और उदारता से युक्त उच्च कर्मों के विधान में दिव्य आनंद भरा रहता है ।

Final Answer :

धर्म और उदारता के उच्च कर्मों में दिव्य आनंद भरा रहता है ।

Quick Tip

यहाँ "उच्च कर्म" का अर्थ परोपकार और लोककल्याण से है ।

‘लोकसेवकारी कर्मवीर’ का आशय स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर : लोकसेवकारी कर्मवीर वह है जो दूसरों के हित में, न्याय और धर्म की रक्षा के लिए कार्य करता है । उसका सच्चा सुख लोककल्याण में निहित होता है ।

Final Answer :

लोकसेवकारी कर्मवीर का आशय है – जो लोककल्याण में आनंद अनुभव करे ।

Quick Tip

‘लोकसेवा’ का अर्थ है समाज और जनहित के लिए निःस्वार्थ कार्य करना ।

Q12(क). 'हास्य रस' अथवा 'वीर रस' का स्थायी भाव के साथ उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए ।

उत्तर : हास्य रस का स्थायी भाव है – हास (हँसी) । जब किसी व्यक्ति की चेष्टा, आचरण या वचन से मन में हँसी उत्पन्न होती है तो वहाँ हास्य रस होता है ।

उदाहरण : कबीर ने कहा – "बुरा जो खोजन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय,
जो मन खोजा अपना, मुझसे बुरा न कोय ।"

हास्य रस का स्थायी भाव = हास (हँसी)

उत्तर : वीर रस का स्थायी भाव है – उत्साह । जब किसी व्यक्ति के मन में पराक्रम, साहस और शौर्य की भावना जागृत होती है, तो वहाँ वीर रस प्रकट होता है ।

उदाहरण : "रण बीच खेलूंगी होली, रक्त की धारा से ।"

वीर रस का स्थायी भाव = उत्साह

Quick Tip

रस का स्थायी भाव वही होता है, जो काव्य या नाट्य में बार-बार प्रकट होकर रस का रूप लेता है ।

Q12(ख). 'प्रश्नोक्ति' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए ।

उत्तर : जब कवि प्रश्न के रूप में भाव व्यक्त करता है, और उत्तर स्वतः स्पष्ट हो जाता है, तो उसे प्रश्नोक्ति अलंकार कहते हैं ।

उदाहरण : "क्यों डरते हो साधनहीन, क्या कभी नहीं होते काम ?"

प्रश्नोक्ति अलंकार का लक्षण = प्रश्न के रूप में भाव प्रकट होना

उत्तर : जब किसी वस्तु या व्यक्ति की किसी अन्य वस्तु से कल्पनात्मक समानता की जाए, तो उसे उत्प्रेक्षा अलंकार कहते हैं ।

उदाहरण : "मुख चंद्रमा सा शोभित है ।"

उत्प्रेक्षा अलंकार का लक्षण = कल्पनात्मक समानता

Quick Tip

अलंकार काव्य की शोभा बढ़ाते हैं और भावों को अधिक प्रभावी बनाते हैं ।

Q12(ग). 'दोहा' अथवा 'चौपाई' छंद का लक्षण तथा उदाहरण लिखिए ।

उत्तर : दोहा छंद में प्रथम और तृतीय चरण में 13 मात्राएँ होती हैं तथा द्वितीय और चतुर्थ चरण में 11 मात्राएँ होती हैं ।

उदाहरण : "ढाई अक्षर प्रेम के, पढ़े सो पंडित होय ।"

दोहा छंद = 13-11 मात्राओं वाला छंद

उत्तर : चौपाई छंद के प्रत्येक चरण में 16 मात्राएँ होती हैं । यह छंद विशेष रूप से रामचरितमानस में प्रयुक्त हुआ है ।

उदाहरण : "सियावर रामचंद्र की जय ।"

चौपाई छंद = 16 मात्राओं वाला छंद

Quick Tip

छंद हिंदी कविता की आत्मा हैं, इसलिए उनके मात्रिक नियमों को याद रखना ज़रूरी है ।

Q13. अपने नगर में संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के संबंध में स्थानीय निकाय के अधिकारी को एक पत्र लिखिए ।

पत्र :
सेवा में,
स्वास्थ्य अधिकारी,
नगर निगम,
अपने नगर का नाम
।

दिनांक : _____

विषय : नगर में संक्रामक बीमारियों की रोकथाम हेतु आवश्यक कदम उठाने के संबंध में ।

मान्यवर,

सविनय निवेदन है कि इन दिनों हमारे नगर में संक्रामक बीमारियों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है । जगह-जगह गंदगी, नालियों का जाम होना तथा मच्छरों का प्रकोप लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर रहा है । प्रतिदिन कई लोग डेंगू, मलेरिया, टायफाइड जैसी बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं ।

अतः आपसे निवेदन है कि नगर में समय-समय पर दवाओं का छिड़काव कराया जाए, सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए तथा चिकित्सा शिविर लगाकर लोगों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी दी

जाए ।

आपकी कृपा से ही नगरवासियों को संक्रामक रोगों से बचाया जा सकता है ।

सधन्यवाद,

भवदीय,
आपका नाम

पता

Final Answer :

यह पत्र नगर में संक्रामक बीमारियों की रोकथाम हेतु स्वास्थ्य अधिकारी को लिखा गया है ।

Quick Tip

पत्र लिखते समय औपचारिक शैली का प्रयोग करें और विषय स्पष्ट रखें ।

Or

Q13 (Alternative). स्व-रोजगार प्रारंभ करने हेतु ऋण-प्राप्ति के लिए निकटस्थ बैंक के शाखा-प्रबंधक को एक आवेदन-पत्र लिखिए ।

आवेदन-पत्र :

सेवा में,
शाखा-प्रबंधक,
बैंक का नाम

शाखा का नाम
।

दिनांक : _____

विषय : स्व-रोजगार प्रारंभ करने हेतु ऋण प्राप्ति के लिए आवेदन ।

मान्यवर,

सविनय निवेदन है कि मैं स्व-रोजगार प्रारंभ करना चाहता हूँ । इसके लिए मुझे वित्तीय सहायता की आवश्यकता है । मेरा योजना [व्यवसाय का नाम, जैसे किराना दुकान/सिलाई केंद्र आदि] खोलने का है ।

मेरे पास पर्याप्त कार्य-अनुभव है तथा इस कार्य को करने की पूरी क्षमता भी है । यदि मुझे बैंक से उचित ऋण-सहायता प्राप्त हो जाती है तो मैं अपना रोजगार प्रारंभ कर सकूँगा और समय पर ऋण चुकाने का

आश्वासन देता हूँ ।

अतः आपसे निवेदन है कि मुझे स्व-रोजगार हेतु आवश्यक ऋण प्रदान करने की कृपा करें ।

सधन्यवाद,

भवदीय,
आपका नाम

पता

Final Answer :

यह आवेदन-पत्र स्व-रोजगार हेतु ऋण प्राप्त करने के लिए शाखा-प्रबंधक को लिखा गया है ।

Quick Tip

आवेदन-पत्र लिखते समय उद्देश्य स्पष्ट रखें और भाषा संक्षिप्त व विनम्र होनी चाहिए ।

Q14(i). विषय : वृक्षारोपण एवं वन संरक्षण

प्रस्तावना : वृक्षों को धरती का जीवनदाता कहा जाता है । वे हमें ऑक्सीजन, छाया, फल, फूल, औषधि और वर्षा प्रदान करते हैं । आधुनिक समय में प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए वृक्षारोपण और वन संरक्षण अनिवार्य हो गया है ।

वृक्षों का महत्व : वृक्षों से वायु शुद्ध होती है, भूमि उपजाऊ बनती है और प्राकृतिक आपदाओं से बचाव होता है । वे जलचक्र को संतुलित रखते हैं और जैव विविधता को सुरक्षित करते हैं ।

वन संरक्षण की आवश्यकता : बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिकीकरण और शहरीकरण ने वनों को नष्ट कर दिया है । परिणामस्वरूप ग्लोबल वार्मिंग, वर्षा की कमी और नई बीमारियाँ फैल रही हैं ।

निवारण उपाय : 1. बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाना चाहिए ।

2. वनों की अवैध कटाई रोकने के लिए कड़े कानून बनाए जाएँ ।

3. छात्रों और युवाओं को वृक्ष संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाए ।

उपसंहार : वृक्षारोपण और वन संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है । हर व्यक्ति यदि एक वृक्ष लगाए तो भविष्य सुरक्षित हो सकता है ।

Final Answer :

वृक्षारोपण और वन संरक्षण मानव जीवन एवं पर्यावरण रक्षा के लिए आवश्यक है ।

Quick Tip

निबंध लिखते समय समस्या और समाधान दोनों पर प्रकाश डालना चाहिए।

Q14(ii). विषय : महिला सशक्तीकरण

प्रस्तावना : महिला सशक्तीकरण का अर्थ है महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और राजनीतिक क्षेत्रों में समान अधिकार देना। किसी भी समाज का विकास तभी संभव है जब उसकी महिलाएँ सशक्त हों।

महिलाओं की स्थिति : पूर्व में महिलाएँ घर तक सीमित थीं। शिक्षा और रोजगार में उनका स्थान कम था। लेकिन आज महिलाएँ विज्ञान, राजनीति, खेल और कला के क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं।

सशक्तीकरण की आवश्यकता : महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और सुरक्षा प्रदान करना आवश्यक है। समान अवसर मिलने से वे परिवार और समाज के विकास में योगदान कर सकती हैं।

निवारण उपाय : 1. महिला शिक्षा पर विशेष बल दिया जाए।
2. समान कार्य के लिए समान वेतन मिलना चाहिए।
3. महिलाओं के विरुद्ध हिंसा और भेदभाव को रोकने के लिए कड़े कानून लागू हों।

उपसंहार : महिला सशक्तीकरण से ही राष्ट्र सशक्त बन सकता है। "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता" वचन आज भी सार्थक है।

Final Answer :

महिला सशक्तीकरण समाज और राष्ट्र की उन्नति का आधार है।

Quick Tip

निबंध में ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और वर्तमान स्थिति का संतुलित उल्लेख करना चाहिए।

Q14(iii). विषय : आधुनिक जीवन की विसंगतियाँ

प्रस्तावना : वर्तमान युग आधुनिकता का युग है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने जीवन को आरामदायक बनाया है। लेकिन इसके साथ कई विसंगतियाँ भी उत्पन्न हो गई हैं।

विसंगतियाँ : 1. भौतिक सुख-सुविधाओं के कारण मानसिक तनाव बढ़ गया है।
2. परिवार टूटकर एकल परिवार बन गए हैं।
3. प्रदूषण और पर्यावरण संकट बढ़ रहा है।
4. नैतिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है।

उपसंहार : आधुनिक जीवन ने सुविधाएँ तो दी हैं लेकिन मानवीय संवेदनाओं को कम कर दिया है। हमें आधुनिकता के साथ नैतिकता और संतुलन बनाए रखना होगा।

Final Answer :

आधुनिक जीवन की विसंगतियाँ मानव जीवन के लिए चुनौती हैं।

Quick Tip

निबंध में आधुनिकता के लाभ और हानि दोनों का उल्लेख करें।

Q14(iv). विषय : काकोरी एक्सप्रेस डे का महत्व

प्रस्तावना : भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में 9 अगस्त 1925 का दिन विशेष महत्व रखता है। इस दिन क्रांतिकारियों ने काकोरी स्टेशन पर ट्रेन से सरकारी खजाना लूटकर अंग्रेजी शासन को चुनौती दी।

महत्व : काकोरी कांड ने अंग्रेजी शासन की नींव हिला दी। रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खाँ, राजेन्द्र लाहिड़ी और चंद्रशेखर आजाद जैसे वीरों ने बलिदान देकर आज़ादी की लड़ाई को नई दिशा दी।

उपसंहार : काकोरी एक्सप्रेस डे हमें बलिदान, साहस और देशभक्ति की प्रेरणा देता है। यह दिन स्वतंत्रता संग्राम का अमर प्रतीक है।

Final Answer :

काकोरी एक्सप्रेस डे स्वतंत्रता संग्राम का प्रेरणादायी अध्याय है।

Quick Tip

ऐतिहासिक निबंध लिखते समय तिथियाँ और घटनाएँ अवश्य जोड़ें।

Q14(v). विषय : गोस्वामी तुलसीदास

प्रस्तावना : गोस्वामी तुलसीदास हिंदी साहित्य के महान कवि और संत थे। उन्होंने अपनी रचनाओं से समाज को नई दिशा प्रदान की।

जीवन परिचय : तुलसीदास का जन्म 16वीं शताब्दी में हुआ। वे भक्तिकाल के श्रेष्ठ कवि माने जाते हैं।

रचनाएँ : उनकी प्रमुख रचना 'रामचरितमानस' है, जिसे भारतीय संस्कृति का अमूल्य रत्न कहा जाता है। इसके अलावा 'विनय पत्रिका', 'कवितावली' और 'दोहावली' भी प्रसिद्ध हैं।

उपसंहार : तुलसीदास ने अपनी वाणी से रामभक्ति का प्रचार किया और हिंदी साहित्य को अमर कृतियाँ दीं ।

Final Answer :

तुलसीदास हिंदी साहित्य और भक्ति आंदोलन के अमर कवि हैं ।

Quick Tip

किसी साहित्यकार पर निबंध लिखते समय जीवन, रचनाएँ और योगदान का उल्लेख करें ।